

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	चैत्र 02, शुक्रवार, शाके 1946-मार्च 22, 2024 Chaitra 02, Friday, Saka 1946- March 22, 2024	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, फरवरी 22, 2024

संख्या प. 2(12)वन/2024 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उनके किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन-भूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29 उप धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा अथवा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार के लेखबद्व नहीं किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में अथवा उन पर सरकारी या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्व किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 की एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर/असिस्टेंट फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में या उन पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्व करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली से किया जायेगा जैसाकि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11 (1) 12,13,14,17,18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और बंजर-भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनु सूची में अंकित किये गये हैं, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) हैं और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उनसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया

जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,
मोनाली सेन,
विशिष्ट शासन सचिव,
वन विभाग,
राजस्थान सरकार, जयपुर।

प्रथम अनुसूची (वन-भूमि और बंजर-भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	ग्राम	खसरा नं.	रकबा (है० में)	भूमि किस्म
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	सांगानेर (ए)	भीलवाडा	भीलवाडा	उत्तर- आराजी नं. 1978	सांगानेर	1977 2137	19.4227 13.0876	गेमु.मगरी
				पूर्व- आराजी नं. 2138				गेमु.मगरी
				पश्चिम- आराजी नं. 2029 व 2028/1				
				दक्षिण- आराजी नं. 2136				
				वनखण्ड का योग		किता-2	32.5103	

प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	ग्राम	खसरा नं.	रकबा (है० में)	भूमि किस्म
1	2	3	4	5	6	7	8	9
2	सांगानेर (बी)	भीलवाडा	भीलवाडा	उत्तर- आराजी नं. 2564	सांगानेर	2674	4.4637	गेमु.मगरी
				पूर्व- आराजी नं. 2564				
				पश्चिम- आराजी नं. 2556				
				दक्षिण- आराजी नं. 2675				
				वनखण्ड का योग				किता-1

प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	ग्राम	खसरा नं.	रकबा (है० में)	भूमि किस्म
1	2	3	4	5	6	7	8	9
3	सांगानेर (सी)	भीलवाडा	भीलवाडा	उत्तर- आराजी नं. 2675	सांगानेर	2676	5.1086	गेमु. मगरी
				पूर्व- आराजी नं. 2673				
				पश्चिम- आराजी नं. 2677				
				दक्षिण- आराजी नं. 2680				
				वनखण्ड का योग				

प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	ग्राम	खसरा नं.	रकबा (है0 में)	भूमि किस्म
1	2	3	4	5	6	7	8	9
4	सांगानेर (डी)	भीलवाडा	भीलवाडा	उत्तर- आराजी नं. 2678	सांगानेर	2679	1.2771	गेमु. मगरी
				पूर्व- आराजी नं. 2677				
				पश्चिम- आराजी नं. 2678				
				दक्षिण- आराजी नं. 2680 व 2720				
				वनखण्ड का योग			किता-1	1.2771

क्षेत्रीय वन अधिकारी
भीलवाडा

उप वन संरक्षक
भीलवाडा

वनखण्ड सांगानेर (ए.बी.सी.डी)
द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

क्र.सं.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी नाम
1	<i>Acacia Leucophloea</i>	रोंझ
2	<i>Acacia nilotica</i>	देशी बबूल
3	<i>Azadirachta indica.</i>	नीम
4	<i>Dalbergia sissoo, Roxb</i>	शीशम
5	<i>Zizyphus nummularia</i>	झड़ बेरी

क्षेत्रीय वन अधिकारी
भीलवाडा

उप वन संरक्षक
भीलवाडा

प्रमाण पत्र

वनखण्ड - वनखण्ड सांगानेर (ए,बी,सी,डी)

रैंज - भीलवाडा

वन मंडल- भीलवाडा

- 1 संलग्न प्रारूप में दर्शायी गई भूमि का वर्गीकरण क्रमशः गेमु.मगरी है जिसे विज्ञप्ति के कालम 7 से 9 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
- 2 वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य करवाया गया है। इनमें खसरा नं. 2556 आबादी होकर इनसे सटे हुए वन क्षेत्र में आंशिक अतिक्रमण है जो पूर्व से है तथा खनन् कार्य नहीं हो रहा है।
- 3 प्रस्तावित वन क्षेत्र में समस्त क्षेत्र पूर्व से ही विभाग के अधीन है, जिन पर वानिकीय विकास कार्य कराये गये हैं एवं भविष्य में इस क्षेत्र में विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
- 4 प्रस्तावित भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में 0.1 से 0.2 तक का है एवं इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों नीम, शीशम, रोंझ, देशी बबूल, झड़ बेरी प्रजातियों के पेड़ एवं झाड़िया हैं।
- 5 प्रस्तावित क्षेत्र की समस्त भूमि वन विभाग के अधीन हैं तथा समीपवर्ती खातेदारी भूमिया वन सीमाओं से पृथक हैं तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कालम संख्या 5 में कर दिया गया है।
- 6 वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न हैं, एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप हैं। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है।
- 7 प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथाविधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं, किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है।
- 8 उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी
भीलवाडा

उप वन संरक्षक
भीलवाडा

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।